चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... The Tribune .....

दिनांक 31.8.2020 पृष्ठ संख्या..... 2 .....कॉलम..... 7-8 .....

EDUCATION NOTES

VIRTUAL STORY TELLING EVENT

Hisar: The Training and Placement Cell, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, here organised a virtual "pictorial story telling competition" under its fortnightly virtual speakathon programme. In all 26 students from GJUST, CCSHAU, Hisar and five other colleges participated in the competition in two groups. Students were given three pictures on which they had to weave and narrate a story based on one of them. Mukesh Arora, director, Pt Deendayal Upadhyaya Computer and Informatics Centre was the chief guest of the event. Partap Singh Malik, Director Placement in his welcome speech said that was the 11th speakathon event in a series started in May to enhance communication skills of students. He said picture-based story telling is an important test in SSB interviews used to judge imagination, attitude as well as presentation skills of candidates. Arora said such events enhance the evaluation and analysis skills of the students.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम THE TOP STORY (ONLINE)

दिनांक 30-08-2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

Haryana Agri University students & scientists participated in PM Modi's online inauguration function

Jag Mohan Thaken
Chandigarh:

Today students, scientists and Vice- Chancellor of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University , Hisar took part in an online inaugural programme where Prime Minister ,Narender Modi interacted with some participants.

Giving information , a spokesperson of the university stated that in this inaugural function Prof. Samar Singh, VC, CCS HAU Hisar alongwith 122 Agricultural Scientists and 575 Students participated online.

Prime Minister Narendra Modi inaugurated college and administration buildings of the Rani Lakshmi Bai (RLB) Central Agricultural University on Saturday, in Uttar Pradesh's Jhansi. He inaugurated the buildings through remote video conference. The RLB central agriculture university is located in Jhansi and is a prominent institute of Bundelkhand region.

The Prime minister interacted with the students of the university to persuade and promote the agriculture production with minimum input in the interest to improve the education infrastructure and cutting edge research in agriculture and also said the new buildings will inspire and encourage them to do better. Prime Minister Modi asked student about ways to address certain challenges like reducing import of edible oils and increasing food processing especially in fruits and vegetables. Mr. Modi also asked a student whether awareness among farmers can be created about micro, drip and sprinkler irrigation in the drought-prone Bundelkhand region. During the interaction, the Prime Minister stressed on promoting recycling of water and rainwater harvesting through innovative and less costly technology in the region.

The Prime Minister emphasized that it is the real time that the population of India is to become self-dependent by cultivation of each type of crops, flower, fruits, vegetable and creation of forest in a way to prevent the fire in future. He pointed out that there was just one central agricultural university in the country six years ago and now there are three across the country. Apart from this, three more national institutes are being established at Mahatma Gandhi Institute for Integrated Farming at IARI-Jharkhand, IARI-Assam, and Motihari, he added.

The Prime Minister said that it is also necessary to take education related to agriculture and its practical application to schools. Efforts are being made to introduce the subject of agriculture at the middle school level , he added. There will be two benefits from this. One benefit will be that the natural understanding associated with farming in children of the village will be expanded. The second benefit will be that they will be able to give more information to their family about farming and related technology, trade and business.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........

दिनांक 29.8.2020....पृष्ठ संख्या......2.........कॉलम.....5:7.........

एचएयू में ऑनलाइन वेबिनार: स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ बढ़ाना होगा

एबिक सेंटर में हुए ऑनलाइन वेबिनार में प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया

भास्कर न्यूज़| हिसार

किसी भी कारोबार के स्टार्ट करने के दौरान उसके शुरुआती दौर में आने वाली मुश्किलों से घबराना और हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला अफजाई करते हुए कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे

स्टार्टअप्स की जानकारी देते।

थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। ऑनलाइन वेबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

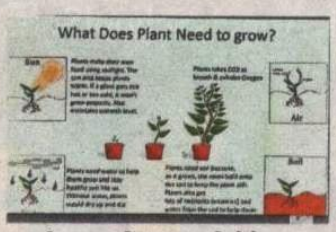

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला, दैनिक भास्कर

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या 4, 2 कॉलम 5-6, 5

'धान की फसल में पानी की कमी न होने दें'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सेंटीमीटर से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए।

कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डील्ला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम / 50 ग्राम सनराइज / 8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकालकर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ तीन बार- बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ ही काफी है।

फसलों में कीड़े का बढ़ रहा प्रकोप : इन दिनों बासमती व अन्य किस्मों में तना छेदक कीड़े का काफी प्रकोप पाया जा रहा है। इस कीड़े की समस्या होने पर मोनोक्रोटोफोस 36 एमएल या 1 लीटर क्लोरोपायरिफॉस 20 ई.सी. (डरमेट /लीथल/ फोरस) का रोपाई से 30, 50 या 70 दिन बाद 2 छिड़काव करे अथवा 7.5 किलो कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड (पदान/सनवैक्स) 4 जी. या इतनी ही मात्रा मे फीप्रोनिल (रीजेंट/मोरटल) 0.3 जी. का 10 किलोग्राम सुखी बालू (रेत) मे मिलाकर पौधरोपण के 30 व 50 दिन बाद प्रति एकड़ फसल में डालें। ब्यूरो

धान की फसल में सतह पर दरार आने से पहले ही पानी दें: कृषि वैज्ञानिक

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें और पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सेमी से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.....

किसी भी व्यवसाय की शुरुआती मुश्किलों से हताश न हों : अशोक सिंह

एबिक सैंटर में ऑनलाइन वैबिनार के माध्यम से बढ़ाया स्टार्टअप्स का हौंसला

हिसार, 28 अगस्त (ब्यूरो): किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौंसला बढ़ाते हुए कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सैंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वैबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार लोग नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के

वैबिनार में दी गई जानकारी का दृश्य।

अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। इसलिए कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए।

ऑनलाइन वैबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए प्रतिभागियों को यह तकनीक अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करना चाहिए। वहीं वैबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक व किसी व्यवसाय को शुरू करते समय आने वाली विभिन्न बाधाओं को लेकर सवाल किए गए, जिनका वक्ताओं द्वारा बेहतर तरीके से जवाब दिया गया। एबिक सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वैबिनार में देशभर के अलावा विदेशों से भी 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र व देश का दूसरा केंद्र है जो नए स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देता है और फाइनैंस, टैक्निकल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्कीटिंग इत्यादि सुविधाएं भी एक छत के नीचे उपलब्ध करवाता है। समय-समय पर कृषि को बढ़ावा देने के लिए कृषि मेला, बूट कैंप, कृषि संबंधित प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम पंजीकृत इनक्यूबेटी के लिए करवाए जाते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम......पंजाब केसरी......
दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या......4......कॉलम......6......

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान : कृषि वैज्ञानिक

हिसार, 28 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें।

कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सैं.मी. से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए। कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डील्ला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम / 50 ग्राम सनराइज / 8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकाल कर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान जो की बिजाई के बाद 130 से 145 दिन में पकती है, में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ 3 बार- बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में जैसे की पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ ही काफी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हरि-भूमि.....

दिनांक 21.8.2020...पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....7.8.....

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौजूदा समय में धान की फसल संबंधी दिए सुझाव

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि किसानों को देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सेंटीमीटर से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए।

कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक लगातर किसानों से ऑनलाइन माध्यमों से या फिर फोन पर सम्पर्क बनाए हुए हैं। कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डील्ला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम / 50 ग्राम सनराइज / 8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिडकाव पानी निकाल कर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान जो की बिजाई के बाद 130 से 145 दिन में पकती हैं, में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड तीन बार- बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में जैसे की पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ ही काफी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 29.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

'व्यवसाय की शुरुआती मुश्किलों से हताश न हों'

हिसार। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। यह बात स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला बढ़ाते हुए कहीं। वह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक को अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करें। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पंजाब केसरी.......

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या......3......कॉलम....1-4......

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल के लिए मिला कॉपीराइट

हिसार, 29 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनवरत प्रयास व अथक मेहनत से एक और उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मॉड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफैसर ओ.पी. श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पूनियां के द्वारा तैयार किए गए हैं।

मॉड्यूल तैयार करने वाली टीम का फाइल फोटो।

क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर हैं आधारित

प्रो. ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मॉड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस (ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटैक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मॉड्यूल का उपयोग इंटरनैट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मॉड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मॉड्यूल को विकसित किया गया है।

इन मॉड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मॉड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मॉड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए मॉड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं।

रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में होंगे सहायक

मॉड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मॉड्यूल के माध्यम से शोधकर्तता कीट विज्ञान, रासायनिक विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक आंकड़ों के सैट को (महत्वपूर्ण सूचना को बिना नुकसान पहुंचाए) छोटे आंकड़ा सैट में परिवर्तित करने में सहायक होगा। साथ ही कई स्थानों पर अनुसंधान के लिए कई वर्षों व कई स्थानों पर लगाए गए परीक्षणों के विश्लेषण के लिए भी अत्यंत प्रभावी होंगे। इन मॉड्यूल का उपयोग बहुत ही सरलता से किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 30.8.2020...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....6.8.....

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका रही प्रथम

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

हिसार, 29 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कृषि महाविद्यालय, कौल, बावल व हिसार सहित कृषि अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय और इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय के 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादुगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की यादगार में मनाया जाता है। इसलिए हमें मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने राष्ट्रीय खेल हॉकी में देश का नाम रोशन किया था। इस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डॉ. अरुण कुमार द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के लिए गूगल फार्म की मदद से स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा 30 बहुविकल्प आधारित प्रश्नों के जवाबों का चुनाव करवाया गया और परिणाम घोषित किए गए। इस दौरान कृषि महाविद्यालय, बावल की इशिका ने 29 प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया जबकि इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने 28 प्रश्नों के सही उत्तर देकर द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ ने 28 प्रश्नों के उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हालांकि गरिमा व सुमित के समय में मात्र एक सैकंड का ही अंतर था। लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व डॉ. राजेश कथवाल ने प्रश्न चुनाव व गूगल फार्म विकसित करने का कार्य किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या..... 4 .....कॉलम..... 4.5 .....

पी.एम. के वर्चुअल कार्यक्रम में शामिल हुए हकृवि के कुलपति, 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी

हिसार, 29 अगस्त (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह सहित विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुएल कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के झांसी में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन के ऑनलाइन उद्घाटन किया था। इस दौरान देशभर से कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक व विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए।

■ प्रधानमंत्री का सपना साकार करने में प्रयासरत है हकृवि : प्रो. समर सिंह

इसके बाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने व आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब सभी मिलकर इस दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पहले ही इस दिशा में काम कर रहा है, जिसके चलते जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीन दयाल उपाध्याय कृषि उत्कृष्टता केंद्र सहित कई अन्य परियोजनाएं भी विश्वविद्यालय में चल रही हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रधानमंत्री के इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 4-8

आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए तैयार किया मॉडल

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। इसमें एक्टिव सर्वर पेजिस (एएसपी) भाषा का उपयोग किया जाता है। यह क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित है। इंटरनेट के माध्यम से कोई भी विज्ञानी अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए इन मॉड्यूल का उपयोग कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए यह मॉड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे।

वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मॉड्यूल को विकसित किया गया है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के डीन डा. राजबीर सिंह ने बताया कि यह मॉड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओपी. श्योराण और उनके सहयोगी डा. मंजू सिंह टोंक, डा. रामनिवास, डा. मनोज गोयल व डा. हेमंत पूनिया द्वारा तैयार किए गए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इन विज्ञानियों ने तैयार किया है मॉडयूल। • विज्ञप्ति

मॉड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई की पात्र है। यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। विज्ञानियों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है।

प्रो. समर सिंह, कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों द्वारा तैयार सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल को मिला कॉपीराइट

रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में होंगे सहायक

इन मॉड्यूल से शोधकर्ता रासायन विज्ञान, कीट विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक आंकड़ों के सेट को (महत्वपूर्ण सूचना को बिना नुकसान पहुंचाए) छोटा करने में सहायक होगा। साथ ही कई स्थानों पर अनुसंधान के लिए लगाए गए परीक्षणों के विश्लेषण के लिए भी अत्यंत प्रभावी होंगे।

इन मॉड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव: गणित एवं सांख्यिकी के विभाग के अध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मॉड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...दैनिक जागरण...

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 5-7

पीएम के वर्चुअल कार्यक्रम में एचएयू के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी जुड़े

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के विद्यार्थी व कृषि विज्ञानी शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम में सम्मलित हुए। पीएम झांसी में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन का ऑनलाइन उद्घाटन कर रहे थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय • जागरण आर्काइव

एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में शिक्षा के बुनियादी ढांचे और कृषि में अत्याधुनिक अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए न्यूनतम निवेश के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने अपील की। उन्होंने कहा कि छह साल पहले देश में सिर्फ एक केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय था और अब देशभर में तीन हैं। इसके अलावा झारखंड, असम और मोतिहारी में भी तीन और राष्ट्रीय कृषि संस्थानों की स्थापना की जा रही है। ड्रोन तकनीक, कृषि प्रौद्योगिकी व आधुनिक कृषि उपकरणों को युवा शोधार्थी व कृषि वैज्ञानिक कृषि क्षेत्र के लिए ओर अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्रयास करें। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रधानमंत्री के इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....वीर अर्जुन.....

दिनांक 30.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....9.....कॉलम.....4-6.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिला कॉपीराइट

हिसार। हकृवि के वैज्ञानिकों के अनवरत प्रयास व अथक मेहनत से एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओपी श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पुनियां के द्वारा तैयार किए गए हैं। मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कीट विज्ञान, रासायनिक विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक आंकड़ों के सेट को छोटे आंकड़ा सेट में परिवर्तित करने में सहायक होगा।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओपी श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत लाभदायक होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 30.8.2022....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....5-6.....

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कृषि महाविद्यालय बावंल की इशिका प्रथम, इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल बहुत जरूरी हैं। ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डॉ. अरुण कुमार ने किया। लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व डॉ. राजेश कथवाल ने सहयोग किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने सभी प्रतिभागियों व प्रतियोगिता के आयोजकों को बधाई दी। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक ट्रिब्यून.....

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....6.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मॉड्यूल के लिए कॉपीराइट

हिसार, 29 अगस्त (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है जिसके लिए कुलपति ने इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात बताया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि उक्त मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रो. ओपी श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पुनियां द्वारा तैयार किए गए हैं।

प्रो. ओपी श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस (एएसपी) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 31.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....1-2.....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

प्याज की फसल की खरपतवारों से करें रक्षा

हिसार। प्याज (खरीफ) की फसल की खरपतवारों से रक्षा करें और नियमित सिंचाई करें। यदि पौधों के पास मिट्टी बारिश से बह गई हो तो पौधों के साथ मिट्टी चढ़ाएं। नाइट्रोजन खाद से दो बार टॉप ड्रेसिंग करने की आवश्यकता होती है।

पहली बार पौधरोपण / बिजाई के लगभग एक माह बाद और दोबारा इसके एक माह बाद करें। हर बार 16 किलोग्राम नाइट्रोजन (35 किलोग्राम यूरिया) प्रति एकड़ की दर से इस्तेमाल करें और उसके बाद सिंचाई करें। फसल की हानिकारक कीट, थ्रिप से रक्षा के लिए 300 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ फसल पर आवश्यकतानुसार छिड़काव करें। पर्पल ब्लाच नाम की बीमारी के लक्षण दिखते ही फसल पर 400 - 500 ग्राम कॉपर आक्सीक्लोराइड या इंडोफिल एम - 45 को 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ फसल में इस्तेमाल करें और आवश्यकता होने पर 10 -15 दिनों बाद दोहराएं। कीटनाशक व फफूंदनाशक घोल में सेल्वेट - 99 दस ग्राम या ट्राइटोन 50 मिलीलीटर प्रति 100 लीटर घोल में मिलाना आवश्यक है।

डॉ. आरएस हुड्डा
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

वहीं, नींबू जाति के पौधे के पत्तों व फलों पर अगर पोषक तत्वों की कमी दिखाई दे तो जिंक सल्फेट 5 किलोग्राम और चूना 2.5 किलोग्राम को 1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इसी तरह नाइट्रोजन की कमी को पूरा करने के लिए 1- 2 किलोग्राम यूरिया को 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। जस्ते की कमी से पत्ते की नसों के दोनों ओर की जगह सफेद हो जाती है तो इसके लिए 500 मिलीग्राम प्लांटामाइसिन और 2 ग्राम कॉपर आक्सीक्लोराइड का प्रति लीटर पानी की दर से अक्तूबर, दिसंबर, फरवरी व जुलाई में छिड़काव करें। माल्टे के अच्छी तरह पके हुए फल तोड़ लें और बेचने का प्रबंध करें। कीड़ों की रोकथाम के लिए यदि बताई गई कीटनाशक दवा का छिड़काव न किया गया हो तो इस माह के शुरू में छिड़काव करें।

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ...सिटी पल्स...

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या ... — ... कॉलम ... — ...

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान: कृषि वैज्ञानिक

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सैं.मी. से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक लगातर किसानों से ऑनलाइन माध्यमों से या फिर फोन पर संपर्क बनाए हुए हैं और उन्हें समय-समय पर कृषि संबंधी जानकारी मुहैया करवा रहे हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की फसल संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डील्ला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम/50 ग्राम सनराइज/8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकाल कर करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 29.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

किसी भी व्यवसाय की शुरूआती मुश्किलों से हताश न हों : अशोक

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला अफजाई करते हुए कहे। वे हकृवि में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। ऑनलाइन वेबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पाठक पक्ष.......

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या.......—.......कॉलम.......—.......

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका रही प्रथम

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, कौल, बावल व हिसार सहित कृषि अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय हिसार और इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय के 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल बहुत जरूरी हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य ठीक रहता है बल्कि खेलों में भाग लेने से खेल भावना व आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादुगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की यादगार में मनाया जाता है। इसलिए हमें मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने राष्ट्रीय खेल हॉकी में देश का नाम रोशन किया था। इस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डॉ. अरूण कुमार द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय बावल की इशिका ने

29 प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया जबकि इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने 28 प्रश्नों के सही उत्तर देकर द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ ने 28 प्रश्नों के उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। हालांकि गरिमा व सुमित के समय में मात्र एक सेकंड का ही अंतर था। लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व डॉ. राजेश कथवाल ने प्रश्न.चुनाव व गूगल फार्म विकसित करने का कार्य किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने सभी प्रतिभागियों व प्रतियोगिता के आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नभ छोर........

दिनांक ..29..8..2020...पृष्ठ संख्या........—........कॉलम.....—.....

नए व्यवसाय शुरू करते हुए बाधाओं से हताश न हों: कुमार

हिसार. किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला अफजाई करते हुए कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वैबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। इसलिए कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। ऑनलाइन वैबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की बहुत ही डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक को अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करें। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वैबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र व देश का दूसरा केंद्र है जहां नए स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देता है और फाइनेंस, टेक्निकल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्केटिंग इत्यादि सुविधाएं भी एक छत के नीचे उपलब्ध करवाता है। समय-समय पर कृषि को बढ़ावा देने के लिए कृषि मेला, बूट कैंप, कृषि संबंधित प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम पंजीकृत इनक्यूबेटी के लिए करवाए जाते हैं। एबिक के तकनीकी प्रबंधक अर्पित तनेजा व प्रशासनिक प्रबंधक निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम का संचालन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......पांच बजे......

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या...... – ......कॉलम...... – ......

हकृविमें स्थापित एबिक सेंटर में ऑनलाइन वेबिनार में बढ़ाया स्टार्टअप्स का हौसला

किसी भी व्यवसाय की शुरूआती मुश्किलों से हताश न हों : अशोक सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला अफजाई करते हुए कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। इसलिए कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। ऑनलाइन वेबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की बहुत ही डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक को अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करें।

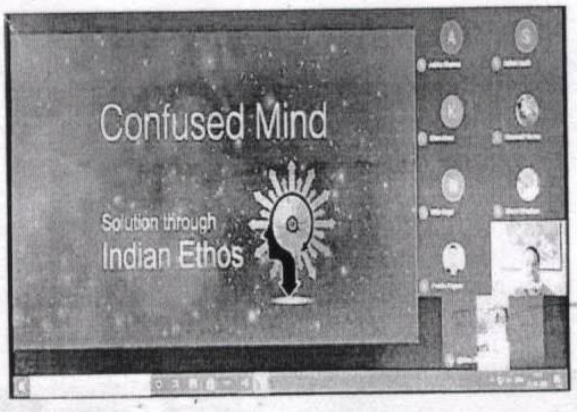

प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं के दिए बेहतर जवाब, विदेशी भी ले रहे हैं हिस्सा

वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक व किसी व्यवसाय को शुरू करते समय आने वाली विभिन्न बाधाओं को लेकर सवाल किए गए, जिनका वक्ताओं द्वारा बेहतर तरीके से जवाब दिया गया। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें देशभर के अलावा विदेशों से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र व देश का दूसरा केंद्र है जहां नए स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देता है और फाइनेंस, टेक्निकल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्केटिंग इत्यादि सुविधाएं भी एक छत के नीचे उपलब्ध करवाता है। समय-समय पर कृषि को बढ़ावा देने के लिए कृषि मेला, बूट कैंप, कृषि संबंधित प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम पंजीकृत इनक्यूबेटी के लिए करवाए जाते हैं। एबिक के तकनीकी प्रबंधक अर्पित तनेजा व प्रशासनिक प्रबंधक निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम का संचालन किया व सभी प्रतिभागियों व वक्ताओं का धन्यवाद किया। सभी प्रतियोगियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........नित्य शक्ति टाइम्स........

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान : कृषि वैज्ञानिक

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौजूदा समय में धान की फसल संबंधी दिए सुझाव

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सैं.मी. से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक लगातार किसानों से ऑनलाइन माध्यमों से या फिर फोन पर संपर्क बनाए हुए हैं और उन्हें समय-समय पर कृषि संबंधी जानकारी मुहैया करवा रहे हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की फसल संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

डॉ. पूनिया ने यह दिए सुझाव

कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डीला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम / 50 ग्राम सनराइज / 8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकाल कर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान जो की बिजाई के बाद 130 से 145 दिन में पकती हैं में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड तीन बार- बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में जैसे की पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड ही काफी है।

तना छेदक कीड़े का बढ़ रहा है प्रकोप : कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इन दिनों बासमती व अन्य किस्मों में तना छेदक कीड़े का काफी प्रकोप पाया जा रहा है। गोभ कि अवस्था से पहले आकर्मण होने पर पोधों की गोभ सुख जाती है जबकि गोभ या बालियां निकलने पर पूरी बाल सुख जाती है। इस कीड़े की समस्या होने पर मोनोक्रोटोफोस 36 एम. एल. या 1 लीटर क्लोरोपायरिफॉस 20 ई.सी. (डरमेट /लीथल/ फोरस) का रोपाई से 30, 50 या 70 दिन बाद 2 छिड ?ाव करे अथवा 7.5 किलो कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड (पदान / सनवैक्स) 4 जी. या इतनी ही मात्रा मे फीप्रोनिल (रीजेंट / मोरटल) 0.3 जी. का 10 किलोग्राम सुखी बालू (रेत) मे मिलाकर पौधरोपण के 30 व 50 दिन बाद प्रति एकड़ फसल में डालें।

बीमारियों पर ऐसे करें नियंत्रण

उन्होंने बताया कि अगेती लगाई गई फसल में बदरंगे दाने व हल्दी रोग से बचाने के लिए 50 प्रतिशत बालियां निकलने पर 200 मिलीलीटर प्रोपिकोनाजोल (रिजल्ट) 20 ई. सी. दवा को 200 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड छिड ?ाव करें। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर पत्तियों पर बदरा (ब्लास्ट) बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो किसान प्रति एकड़ 120 ग्राम ट्राइसाइक्लाजोल (बीम या सिविक) 75 डब्ल्यू पी या 200 ग्राम कार्बेन्डाजिम के घोल का छिडकाव करें। पानी की मात्रा 200 लीटर रखें। दूसरा छिड ?ाव 50 प्रतिशत बालियां निकलने पर करें। बालियां निकलते समय खेत में सूखा न लगने दें। बैक्टीरियल लीफ ब्लाईट या जीवाणुज पत्ती अंगमारी जिन खेतों में आ जाए उनमें पानी लगातार न खड़ा रहने दें और न ही उस खेत का पानी दूसरे खेतों में जाने दें। ऐसे खेतों में नाइट्रोजन खाद बाद में न डालें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ......सिटी पल्स......

दिनांक ...29.8.2020... पृष्ठ संख्या ...–... कॉलम ...–...

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका रही प्रथम

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, कौल, बावल व हिसार सहित कृषि अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय हिसार और इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय के 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादुगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की यादगार में मनाया जाता है। इसलिए हमें मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए।

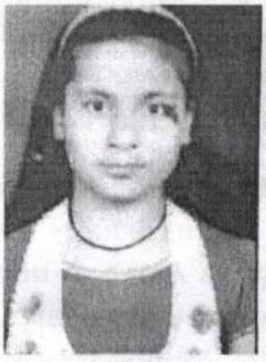

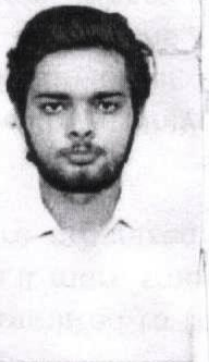

हिसार। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा करवाई गई प्रतियोगिता

इस दौरान कृषि महाविद्यालय बावल की इशिका ने 29 प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया जबकि इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने 28 प्रश्नों के सही उत्तर देकर द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ ने 28 प्रश्नों के उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पांच बजे ....

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या ...... — ...... कॉलम ...... — ......

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौजूदा समय में धान की फसल संबंधी दिए सुझाव

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान : कृषि वैज्ञानिक

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सैं.मी. से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक लगातार किसानों से ऑनलाइन माध्यमों से या फिर फोन पर संपर्क बनाए हुए है और उन्हें समय-समय पर कृषि संबंधी जानकारी मुहैया करवा रहे हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की फसल संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डील्ला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम / 50 ग्राम सनराइज / 8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकाल कर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान जो की बिजाई के बाद 130 से 145 दिन में पकती है में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड तीन बार- बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में जैसे की पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड ही काफी है।

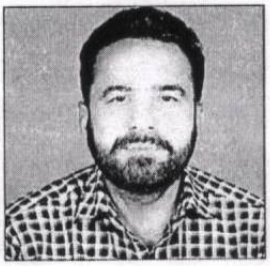

तना छेदक कीड़े का बढ़ रहा है प्रकोप

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार इन दिनों बासमती व अन्य किस्मों में तना छेदक कीड़े का काफी प्रकोप पाया जा रहा है। गोभ कि अवस्था से पहले आक्रमण होने पर पोधों की गोभ सुख जाती है जबकि गोभ या बालियां निकलने पर पूरी बाल सुख जाती है। इस कीड़े की समस्या होने पर मोनोक्रोटोफोम 36 एम. एल. या 1 लीटर क्लोरोपायरिफॉस 20 ई.सी. (डरमेट /लीथल/ फोरस) का रोपाई से 30, 50 या 70 दिन बाद 2 छिड़काव करे अथवा 7.5 किलो कारटॉप हाइड्रोक्लोराइड (पदान / सनवैक्स) 4 जी. या इतनी ही मात्रा मे फीप्रोनिल (रीजेंट / मोरटल) 0.3 जी. का 10 किलोग्राम सुखी बालू (रेत) मे मिलाकर पौधरोपण के 30 व 50 दिन बाद प्रति एकड़ फसल में डालें।

बीमारियों का नियंत्रण

उन्होंने बताया कि अगेती लगाई गई फसल में बदरंगे दाने व हल्दी रोग से बचाने के लिए 50 प्रतिशत बालियां निकलने पर 200 मिलीलीटर प्रोपिकोनाजोल (रिजल्ट) 20 ई. सी. दवा को 200 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड छिड़काव करें। कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि अगर पत्तियों पर बदरा (ब्लास्ट) बीमारी के लक्षण दिखाई दें तो किसान प्रति एकड़ 120 ग्राम ट्राइसाइक्लाजोल (बीम या सिविक) 75 डब्ल्यू पी या 200 ग्राम कार्बेन्डाजिम के घोल का छिड़काव करें। पानी की मात्रा 200 लीटर रखें। दूसरा छिड़काव 50 प्रतिशत बालियां निकलने पर करें। बालियां निकलते समय खेत में सूखा न लगने दें। बैक्टीरियल लीफ ब्लाईट या जीवाणुज पत्ती अंगमारी जिन खेतों में आ जाए उनमें पानी लगातार न खड़ा रहने दें और न ही उस खेत का पानी दूसरे खेतों में जाने दें। ऐसे खेतों में नाइ खाद बाद में

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......समर घोष......

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या...—... कॉलम...—...

धान की फसल में पानी की कमी न होने दें किसान: कृषि वैज्ञानिक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से धान की फसल को लेकर सुझाव देते हुए कहा है कि किसान फसल में पानी की कमी न रहने दें। सीधी बिजाई की गई धान की फसल को अब केवल गीला रखें व पानी केवल जमीन की सतह पर दरार आने से पहले ही दें। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि देर से रोपाई की गई फसल में सिंचाई 5-6 सैं.मी. से अधिक गहरी नहीं करनी चाहिए। कोरोना महामारी के चलते विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक लगातार किसानों से ऑनलाइन माध्यमों से या फिर फोन पर संपर्क बनाए हुए हैं और उन्हें समय-समय पर कृषि संबंधी जानकारी मुहैया करवा रहे हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की फसल संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने किसानों से आग्रह किया कि फसल में चौड़ी पत्ती व डीला जाति के खरपतवारों की रोकथाम के लिए 2,4-डी इस्टर या अमाइन 400 ग्राम/50 ग्राम सनराइज/8 ग्राम एलमिक्स प्रति एकड़ का छिड़काव पानी निकालकर करें। देर से पकने वाली किस्म जैसे पूसा 44 व संकर धान जो की बिजाई के बाद 130 से 145 दिन में पकती हैं, में किसान 130 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड तीन बार-बिजाई के समय, 3 सप्ताह बाद व 6 सप्ताह के बाद डालें। बौनी बासमती किस्में जैसे की पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1401 व पूसा 1718 में केवल 80 किलोग्राम यूरिया प्रति एकड़ ही काफी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम पाठक पक्ष

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

एबिक सेंटर में ऑनलाइन वेबिनार में बढ़ाया स्टार्टअप्स का हौसला

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 अगस्त : किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौसला अफजाई करते हुए कहे। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिए। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आहवान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। इसलिए कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। ऑनलाइन वेबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की बहुत ही डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक को अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करें। वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स तकनीक व किसी व्यवसाय को शुरू करते समय आने वाली विभिन्न बाधाओं को लेकर सवाल किए गए, जिनका वक्ताओं द्वारा बेहतर तरीके से जवाब दिया गया। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें देशभर के अलावा विदेशों से भी प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र व देश का दूसरा केंद्र है जहां नए स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देता है और फाइनेंस, टेक्निकल, इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्केटिंग इत्यादि सुविधाएं भी एक छत के नीचे उपलब्ध करवाता है। समय-समय पर कृषि को बढ़ावा देने के लिए कृषि मेला, बूट कैंप, कृषि संबंधित प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम पंजीकृत इनक्यूबेटी के लिए करवाए जाते हैं। एबिक के तकनीकी प्रबंधक अर्पित तनेजा व प्रशासनिक प्रबंधक निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम का संचालन किया व सभी प्रतिभागियों व वक्ताओं का धन्यवाद किया। सभी प्रतियोगियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

पीएम के वर्चुएल कार्यक्रम में शामिल हुए हकृवि के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : हकृवि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्चुएल कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के झांसी में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन के ऑनलाइन उद्घाटन किया था। इस दौरान देशभर से कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक व विद्यार्थी। ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे और कृषि में अत्याधुनिक अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए न्यूनतम निवेश के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने अपील की। उन्होंने कहा कि छह साल पहले देश में सिर्फ एक केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय था और अब देश भर में तीन हैं। इसके अलावा झारखंड, असम और मोतिहारी में भी तीन और राष्ट्रीय कृषि संस्थानों की स्थापना की जा रही है। प्रधान मंत्री जी ने कहा कि ड्रोन तकनीक, कृषि प्रौद्योगिकी व आधुनिक कृषि उपकरणों को युवा शोधार्थी व कृषि वैज्ञानिक कृषि क्षेत्र के लिए ओर अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्रयास करें। इस दौरान उन्होंने 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुणा करने की दिशा में भी काम करने का आह्वान किया ताकि किसान आत्मनिर्भर बन सके। ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा 2022 तक किसानों की आय दोगुणी करने व आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब सभी मिलकर इस दिशा में काम करेंगे।

पीएम ने किया केन्द्रीय कृषि विश्व विद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन का उदघाटन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स....

दिनांक 30.8.2020 पृष्ठ संख्या ....-.... कॉलम ....-....

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका रही प्रथम

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, कौल, बावल व हिसार सहित कृषि अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय हिसार और इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय के 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याणनिदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल बहुत जरूरी हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य ठीक रहता है बल्कि खेलों में भाग लेने से खेल भावना व आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादुगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की यादगार में मनाया जाता है। इसलिए हमें मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने राष्ट्रीय खेल हॉकी में देश का नाम रोशन किया था। इस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डॉ. अरूण कुमार द्वारा किया गया।

स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा करवाई गई प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के लिए गूगल फार्म की मदद से स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा 30 बहुविकल्प आधारित प्रश्नों के जवाबों का चुनाव करवाया गया और परिणाम घोषित किए गए। इस दौरान कृषि महाविद्यालय बावल की इशिका ने 29 प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया जबकि इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने 28

प्रश्नों के सही उत्तर देकर द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ ने 28 प्रश्नों के उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। हालांकि गरिमा व सुमित के समय में मात्र एक सेकंड का ही अंतर था। लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व डॉ. राजेश कथवाल ने प्रश्न.चुनाव व गूगल फार्म विकसित करने का कार्य किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने सभी प्रतिभागियों व प्रतियोगिता के आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....पाठकपक्ष....

दिनांक ..30.8.2020..पृष्ठ संख्या..–..कॉलम..–..

पीएम नरेंद्र मोदी के वर्चुएल कार्यक्रम में शामिल हुए हकृवि के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 30 अगस्त : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह सहित विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुएल कार्यक्रम में हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के झांसी में रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन के ऑनलाइन उद्घाटन किया था। इस दौरान देशभर से कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपति, कृषि वैज्ञानिक व विद्यार्थी। ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने शिक्षा के बुनियादी ढांचे और कृषि में अत्याधुनिक अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए न्यूनतम निवेश के साथ कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने अपील की। उन्होंने कहा कि छह साल पहले देश में सिर्फ एक केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय था और अब देश भर में तीन हैं। इसके अलावा झारखंड, असम और मोतिहारी में भी तीन और राष्ट्रीय कृषि संस्थानों की स्थापना की जा रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रोन तकनीक, कृषि प्रौद्योगिकी व आधुनिक कृषि उपकरणों को युवा शोधार्थी व कृषि वैज्ञानिक कृषि क्षेत्र के लिए ओर अधिक उपयोगी बनाने के लिए प्रयास करें। इस दौरान उन्होंने 2022 तक देश के किसानों की आय को दोगुणा करने की दिशा में भी काम करने का आहवान किया ताकि किसान आत्मनिर्भर बन सके। ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों से आहवान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 2022 तक किसानों की आय दोगुणी करने व आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब सभी मिलकर इस दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय पहले ही इस दिशा में काम कर रहा है, जिसके चलते जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीन दयाल उपाध्याय कृषि उत्कृष्टता केंद्र सहित कई अन्य परियोजनाएं भी विश्वविद्यालय में चल रही हैं। इन योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं और प्रधानमंत्री के देश के किसान को आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार कर सकते हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए नई-नई कृषि तकनीकों व विभिन्न फसलों की किस्में विकसित कर रहा है। इसके अलावा किसान बागवानी, कृषि वानिकी, फूल उत्पादन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन सहित विभिन्न व्यवसायों संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि किसान यहां से प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सके और अपनी आमदनी में इजाफा कर सकें। विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की आय को बढ़ाने के लिए दृष्ढ़ संकल्प है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस प्रधानमंत्री के इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति सहित 122 कृषि वैज्ञानिक व 575 विद्यार्थी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में देशभर से अग्रणी किसान, विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक सहित विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....नभ छोर....

दिनांक 29.8.2020 पृष्ठ संख्या ....—.... कॉलम ....—....

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में इशिका रही प्रथम

सिरसा । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, कौल, बावल व हिसार सहित कृषि अभियान्त्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय हिसार और इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय के 140 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। छात्र कल्याणनिदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल बहुत जरूरी हैं। इससे न केवल स्वास्थ्य ठीक रहता है बल्कि खेलों में भाग लेने से खेल भावना व आत्मविश्वास भी बढ़ता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादुगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की यादगार में मनाया जाता है। इसलिए हमें मेजर ध्यान चंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए, जिन्होंने राष्ट्रीय खेल हॉकी में देश का नाम रोशन किया था। इस ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी का आयोजन डॉ. अरूण कुमार द्वारा किया गया।

स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा करवाई गई प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के लिए गूगल फार्म की मदद से स्वयं मूल्यांकन तकनीक द्वारा 30 बहुविकल्प आधारित प्रश्नों के जवाबों का चुनाव करवाया गया और परिणाम घोषित किए गए। इस दौरान कृषि महाविद्यालय बावल की इशिका ने 29 प्रश्नों के उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया जबकि इंदिरा चक्रवर्ती गृह महाविद्यालय की छात्रा गरिमा ने 28 प्रश्नों के सही उत्तर देकर द्वितीय व कृषि महाविद्यालय हिसार के छात्र सुमित खटकड़ ने 28 प्ररश्नों के उत्तर देकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। हालांकि गरिमा व सुमित के समय में मात्र एक सेकंड का ही अंतर था। लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व डॉ. राजेश कथवाल ने प्रश्न.चुनाव व गूगल फार्म विकसित करने का कार्य किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने सभी प्रतिभागियों व प्रतियोगिता के आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........हैलो हिसार........

दिनांक 30.8.2020....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिला कॉपीराइट

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनवरत प्रयास व अथक मेहनत से एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पुनियां के द्वारा तैयार किए गए हैं।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है। मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कीट विज्ञान, रसायनिक विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 30.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिला कॉपीराइट

वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने की सराहना, विश्वविद्यालय के लिए बताई गौरव की बात

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनवरत प्रयास व अथक मेहनत से एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर

सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पुनिया के द्वारा तैयार किए गए हैं।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है। कृषि वैज्ञानिकों व शोध विद्यार्थियों के लिए ये मोड्यूल बहुत ही लाभदायक होंगे। वर्तमान समय में अनुसंधान में ऑनलाइन आंकड़ा विश्लेषण की तकनीकों की बहुत अधिक जरूरत है। इसी को ध्यान में रखते हुए इन मोड्यूल को विकसित किया गया है।

रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कीट विज्ञान, रासायनिक विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक आंकड़ों के सेट को (महत्वपूर्ण सूचना को बिना नुकसान पहुंचाए) छोटे आंकड़ा सेट में परिवर्तित करने में सहायक होगा। साथ ही कई स्थानों पर अनुसंधान के लिए कई वर्षों व कई स्थानों पर लगाए गए परीक्षणों के विश्लेषण के लिए भी अत्यंत प्रभावी होंगे। इन मोड्यूल का उपयोग बहुत ही सरलता से किया जा सकता है।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों पर भी गर्व है कि वे निरंतर कुछ बेहतर करने के लिए प्रयासरत हैं। इससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हो रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक 30.8.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....2.....

हकृवि को ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण मोड्यूल के लिए मिला कॉपीराइट

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के अनवरत प्रयास व अथक मेहनत से एक ओर उपलब्धि विश्वविद्यालय के नाम जुड़ गई है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा ऑनलाइन सांख्यिकी विश्लेषण के मोड्यूल के लिए कॉपीराइट मिला है। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजबीर सिंह ने बताया कि ये मोड्यूल गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण व उनके सहयोगी डॉ. मंजू सिंह टोंक, डॉ. रामनिवास, डॉ. मनोज गोयल व डॉ. हेमंत पुनियां के द्वारा तैयार किए गए हैं।

क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर हैं आधारित

गणित एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर ओ.पी. श्योराण ने बताया कि ये मोड्यूल एक्टिव सर्वर पेजिस(ए.एस.पी.) भाषा का उपयोग करते हुए क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर विधि पर आधारित हैं। इन मोड्यूल का उपयोग इंटरनेट के माध्यम से कोई भी वैज्ञानिक अनुसंधान में आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए कर सकता है।

रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में होंगे सहायक

मोड्यूल तैयार करने वाली टीम के इंचार्ज ने बताया कि इन मोड्यूल के माध्यम से शोधकर्ता कीट विज्ञान, रसायनिक विज्ञान व सस्य विज्ञान में किसी रसायन की प्रभावी मात्रा का पता लगाने में सक्षम होगा। इसके अलावा बहुत अधिक आंकड़ों के सेट को (महत्वपूर्ण सूचना को बिना नुकसान पहुंचाए) छोटे आंकड़ा सेट में परिवर्तित करने में सहायक होगा।

हिसार। मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम का फाइल फोटो।

इन मोड्यूल में नहीं कर सकता कोई बदलाव

गणित एवं सांख्यिकी के विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह टोंक ने बताया कि इन मोड्यूल की कोडिंग में कोई अपने अनुसार बदलाव नहीं कर सकता। अगर इन मोड्यूल का कोड बदलना है तो इसके लिए विश्वविद्यालय के संबंधित विभाग से लिखित में अनुमति लेनी पड़ती है।

विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने इस उपलब्धि के लिए मोड्यूल तैयार करने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
समाचार पत्र का नाम......समर घोष......
दिनांक 29.8.2020...पृष्ठ संख्या...-...कॉलम...-...

किसी भी व्यवसाय की शुरूआती मुश्किलों से हताश न हों: अशोक सिंह

हिसार। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने के दौरान उसके प्रारंभिक समय में आने वाली मुश्किलों से घबराना व हताश नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी समस्याओं का डटकर मुकाबला करना चाहिए। ये विचार स्टार्टअप्स प्रशिक्षक अशोक कुमार ने स्टार्टअप्स का हौंसला अफजाई करते हुए व्यक्त किए। वे शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एबिक सेंटर में स्टार्टअप्स के लिए आयोजित ऑनलाइन वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कई बार नया व्यवसाय शुरू करते समय उसमें आने वाली बाधाओं से हताश होकर हम उसे बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुश्किलें तो हर काम में आती हैं। इसलिए उन मुश्किलों का सामना करते हुए नए रास्ते निकालने चाहिएं। उन्होंने स्टार्टअप्स को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा समय के अधिकतर उद्योगपतियों में से कई ऐसे हैं जो बिल्कुल निचले तबके से निकलकर आए हैं। इसलिए कोई समस्या आने पर उसका समाधान निकालते हुए व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहिए। ऑनलाइन वेबिनार के दूसरे सत्र में कृषि क्षेत्र में खुद के नाम से स्टार्टर चलाने वाले अभय तिवारी ने हाइड्रोपोनिकक्स तकनीक की बारीकियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस तकनीक की बहुत ही डिमांड बढ़ने वाली है। इसलिए उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे इस तकनीक को अपनाते हुए अपना व्यवसाय शुरू करें। वेबिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा हाइड्रोपोनिकस तकनीक व किसी व्यवसाय को शुरू करते समय आने वाली विभिन्न बाधाओं को लेकर सवाल किए गए, जिनका वक्ताओं द्वारा बेहतर तरीके से जवाब दिया गया। एबिक सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. सीमा रानी ने बताया कि इस ऑनलाइन वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह केंद्र उत्तर भारत का एकमात्र व देश का दूसरा केंद्र है जहां नए स्टार्टअप को आगे बढ़ने का मौका देता है और फाइनेंस, टेक्निकल,इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्केटिंग इत्यादि सुविधाएं भी एक छत के नीचे उपलब्ध करवाता है। एबिक के तकनीकी प्रबंधक अर्पित तनेजा व प्रशासनिक प्रबंधक निशा मलिक फोगाट ने कार्यक्रम का संचालन किया व सभी प्रतिभागियों व वक्ताओं का धन्यवाद किया।